Title: Need to release funds for construction of level-crossings on Luni-Barmer-Munabao rail line, Rajasthan.

कर्नल (सेवानिवृत्त) सोना राम चौधरी (बाड़मेर) : उपाध्यक्ष महोदय, लूनी-बाड़मेर-मुनाबाऊ रेल लाईन पिछले 6 वर्षों में मीटर गेज से ब्राड गेज में बदली जा रही है। काम की गति बहुत धीमी है लेकिन अब भारत-पाक के बीच संबंध खराब होने के कारण काम में तेजी आई है। यह रेल लाईन अंग्रेजों के काल में बिछाई गई थी तब आबादी बहुत कम थी। इस रेल मार्ग में अनेकों क्रासिंग है ताकि यातायात सुचारू रुप से चल सके।

देश के बंटवारे के बाद अधिक संख्या में लोग राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में आ गये। खासकर बाड़मेर जिले में एक समय के साथ-साथ इस भाग में आबादी और यातायात बहुत बढ़ गया। पहले क्रासिंग मनुयों द्वारा संचालित और बिना मनुय के संचालित की थी जिन्हें लाईन बदलने के कारण कम किया जा रहा है। बदलाव के कारण इस बड़ी लाईन पर पुराने क्रासिंग रखने और नये क्रासिंग बनाने की जरूरत है। इस स्थान का उत्थान करने और यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए अनेकों प्रार्थना पत्र देने पर भी सरकार की तरफ से रटारटाया जवाब आता है कि रेल क्रासिंग बनाया जा सकता है अगर सारा खर्चा स्थानीय लोग, संसद सदस्य या राज्य सरकार वहन करे, जिसकी वजह से कोई नया क्रासिंग बार-बार प्रार्थना करने पर भी स्वीकृत नहीं हुआ है।

अत: मैं माननीय प्रधान मंत्री का हस्तक्षेप निम्न बातों में चाहता हूं:

1. रेल मंत्रालय को सलाह दे कि लूनी-बाड़मेर-मुनाबाऊ रेल मार्ग पर उतने ही रेलवे क्रासिंग बनाये

   ा जितनी आवश्यकता हो।

2. रेल क्रासिंग को बनाने और रखरखाव का खर्चा रेल मंत्रालय वहन करे।
3. सारे पुराने लेबल क्रासिंग चाहे वह मनुयों की निगरानी में हो या नहीं उनको रहने दिया जाए।